vinetur

नापा वैली की फोरक्लोज़र नीलामी में स्वीकार्य बोली न मिलने के बाद Signorello Estate ऋणदाता के पास गई

दोबारा बनी वाइनरी की बिक्री नाकाम रहने से कमजोर मांग, कर्ज़ के बोझ और बढ़ती ब्याज दरों के बीच कैलिफ़ोर्निया के वाइन उद्योग की मंदी उजागर हुई है

बुधवार, 11 नवंबर 2026



मंगलवार, 10 नवंबर को नापा वैली में हुई फोरक्लोज़र नीलामी ने रेखांकित किया कि कमजोर मांग, भारी उधारी और बढ़ती वित्तपोषण लागत के वर्षों के बाद वाइन कारोबार की स्थिति कितनी तेजी से बिगड़ी है।

KQED के अनुसार, 2017 की Atlas Fire के बाद दोबारा बनी जानी-मानी नापा वाइनरी Signorello Estate स्वीकार्य बोली न मिलने पर अपने ऋणदाता American AgCredit के पास चली गई। इस नतीजे के साथ आग में संपत्ति नष्ट होने के बाद वाइनरी के मालिकों की बाजार में लौटने की लंबी और महंगी कोशिश का अंत हुआ।

यह मामला कैलिफ़ोर्निया के वाइन क्षेत्र में अब बढ़ते दबाव के सबसे स्पष्ट उदाहरणों में से एक बन गया है। मांग और

आपूर्ति के बीच असंतुलन से जूझ रहे उद्योग में इस साल नापा और अन्य प्रीमियम क्षेत्रों की कई वाइनरियां बंद हुई हैं, दिवालिया प्रक्रिया में गई हैं या फोरक्लोज़र का सामना कर रही हैं। KQED से विश्लेषकों और ऋणदाताओं ने कहा कि अगर बिक्री में जल्द सुधार नहीं हुआ तो और संकट सामने आ सकते हैं।

1977 में अपने पिता के साथ वाइनरी की सह-स्थापना करने वाले Ray Signorello Jr. ने कहा कि समस्याएं किसी एक कारोबार तक सीमित नहीं हैं। उन्होंने KQED से कहा कि उद्योग मुश्किल दौर में है और आगे और कारोबार विफल हो सकते हैं। उनके मुताबिक, यह मंदी अल्पकालिक गिरावट के बजाय एक संरचनात्मक बदलाव है।

यह फर्क इसलिए अहम है क्योंकि वाइनरियां अक्सर पिछले कमजोर दौरों में लागत घटाकर, कर्ज़ का पुनर्गठन करके या नए मालिक को बेचकर तब तक टिकती रही हैं, जब तक बाजार में सुधार नहीं आ गया। उद्योग के अनुभवी लोगों का कहना है कि इस बार कम खरीदार आगे आ रहे हैं और ऋणदाता इंतजार करने को कम तैयार हैं।

KQED की रिपोर्ट के मुताबिक, आग के बाद दोबारा निर्माण के लिए Signorello Estate ने करीब $37 million का कर्ज़ लिया था। 2018 में यह ऋण मिलने के समय अमेरिका में वाइन की बिक्री अब भी बढ़ रही थी। हालांकि, 2024 में वाइनरी के दोबारा खुलने तक बाजार काफी कमजोर हो चुका था।

इस समस्या की जड़ उपभोक्ताओं के व्यवहार में व्यापक बदलाव है। वाइन की खपत लगातार घट रही है, जबकि उत्पादन ऊंचा बना हुआ है। उम्र बढ़ने के साथ पुराने उपभोक्ता, खासकर बेबी बूमर, कम वाइन पी रहे हैं और युवा वयस्क उनकी जगह उसी अनुपात में नहीं ले रहे हैं। इस बदलाव के चलते कई वाइनरियों के पास बाजार की खपत से अधिक भंडार जमा हो गया है और उत्पादकों के कर्ज़ चुकाने के लिए पर्याप्त नकदी जुटा पाने की क्षमता पर भरोसा कमजोर हुआ है।

कैलिफ़ोर्निया की वाइनरियों के साथ तीन दशक तक काम कर चुके सेवानिवृत्त बैंकर Dan Aguilar ने KQED से कहा कि मजबूत ब्रांड भी अब जोखिम में हैं। उन्होंने कहा कि बैंकों की ओर से फोरक्लोज़र और वाइनरियों का दिवालिया होना हालात की गंभीरता का संकेत है, क्योंकि पहले की मंदी में कई उत्पादक इस मुकाम तक पहुंचने से पहले कोई दूसरा रास्ता निकाल लेते थे या नए मालिक को बेच देते थे।

अब यह बचाव का रास्ता कमजोर पड़ता दिख रहा है। First Citizens Bank के वाइन विभाग के प्रमुख और उसकी सालाना State of the U.S. Wine Industry Report के लेखक Rob McMillan ने KQED से कहा कि कुछ वाइनरियों के नकदी प्रवाह से बाहर होने के साथ ऋणदाता संकटग्रस्त मामलों को सुलझाने की कोशिश करते-करते थक गए हैं।

कर्ज़ की लागत ने समस्या को और बढ़ा दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, बेहतर दौर में लिए गए ऋणों की अवधि बढ़ाने वाली कुछ वाइनरियों को बाद में बहुत ऊंची ब्याज दरों का सामना करना पड़ा, जो कुछ मामलों में दो अंकों तक पहुंच गईं। पहले से ही बड़े भंडार और धीमी बिक्री से जूझ रहे उत्पादकों के लिए इन बढ़ोतरी ने नकदी की तंगी और बढ़ा दी है।

वित्तीय दबाव का असर वाइन संपत्तियों के मूल्यांकन पर भी पड़ रहा है। पहले नापा की किसी वाइनरी में निवेशकों या प्रतिस्पर्धी कारोबारियों की व्यापक दिलचस्पी रहती, खासकर इतने प्रतिष्ठित क्षेत्र में। लेकिन मांग घटने और मुनाफ़े पर दबाव बढ़ने के साथ संभावित खरीदार अधिक चुनिंदा हो गए हैं। इससे ऋणदाताओं के पास ऐसी संपत्तियां रह सकती हैं जिन्हें वे अधिक आसानी से बेच पाने की उम्मीद कर रहे थे, और मौजूदा बाजार में वाइनरियों, अंगूर के बागों और ब्रांडों के मूल्य का नए सिरे से आकलन करना पड़ सकता है।

पेय क्षेत्र के लिए इसका असर एक लक्ज़री वाइन क्षेत्र से कहीं आगे तक जाता है। नापा की मंदी दिखाती है कि शराब की कमजोर मांग कैसे तेजी से टेस्टिंग रूम और केस बिक्री से आगे बढ़कर ऋण बाजार, रियल एस्टेट के मूल्यों और मालिकाना हक में बदलाव तक पहुंच सकती है। अगर दबाव जारी रहा, तो अमेरिका के वाइन कारोबार में एकीकरण की प्रक्रिया तेज़ हो सकती है। मजबूत कंपनियां, ऋणदाता या निवेश समूह संकटग्रस्त संपत्तियों का नियंत्रण अपने हाथ में ले सकते हैं, जबकि छोटे कारोबारी स्वतंत्र बने रहने के लिए संघर्ष करेंगे।

McMillan ने KQED से कहा कि मौजूदा दौर में दिवालियापन और फोरक्लोज़र की लहर भले ही पीड़ादायक हो, लेकिन यह उद्योग के मांग के अनुरूप स्तर तक सिमटने को भी दर्शाती है। उनके विचार में, बाकी वाइनरियों के लिए अधिक स्वस्थ मुनाफ़े की ओर लौटने से पहले यह प्रक्रिया जरूरी है।

इस समायोजन में समय लग सकता है। McMillan ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि उद्योग उबरेगा और कैलिफ़ोर्निया में वाइन की बिक्री 2029 और 2030 में फिर बढ़ने लगेगी। तब तक, उन्होंने KQED से कहा, वाइनरियों के अतिरिक्त भंडार को खपाने और खरीदारों के छोटे होते समूह के लिए प्रतिस्पर्धा करने के कारण उपभोक्ताओं को असामान्य रूप से आकर्षक कीमतें मिलती रह सकती हैं।